|  |
| --- |
| 01. September 2024 |
| **22. Sonntag im Jahreskreis B** |
| Erste Lesung: Dtn 4,1-2.6-8; Zweite Lesung: Jak 1,17-18.21b-22.27; Evangelium: Mk 7,1-8.14-15.21-23 |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 381, 1+3! | Dein Lob, Herr |
|  | GL 393, 1-3 | Nun lobet Gott |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 151 | Herr, erbarme dich |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 701 | Lasst uns Gott, dem Herrn |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 15, 2-5 |
|  | Kehrvers:  |  |
|  | GL 34,1 | Herr, wer darf Gast sein |
|  | oder Lied: |  |
|  | GL 543, 1+3+4 | Wohl denen, die da wandeln |
|  | GL 449, 1+2 | Herr, wir hören auf dein Wort |
|  |  |  |
| Halleluja-Ruf: | Ruf: GL 174, 7 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Durch das Wort der Wahrheit* |
|  | *hat uns der Vater das Leben geschenkt* |
|  | *und uns zu Erstlingen seiner Schöpfung gemacht.* |
|  |  |
| Credo: | GL 794 | Wir glauben, Herr |
|  | sprechen |  |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 146, 1-4 | Du rufst uns, Herr, an deinen Tisch |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 703 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 800 | Herr, gib uns deinen Frieden |
|  |  |  |
| Danksagung:  | GL 797, 1-3 | Wenn wir jetzt weitergehen |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 389, 1+5+6 | Dass du mich einstimmen lässt |